बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-378
30/07/2020

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 399.544 करोड़ रूपये की राशि से निर्मित 124 पुलिस भवनों का उद्घाटन एवं 254.468 करोड़ रूपये की राशि के 96 पुलिस भवनों का किया शिलान्यास

- राज्य में कानून का राज कायम किया गया है। क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है।

- बिहार पुलिस कानून व्यवस्था नियंत्रण के साथ–साथ जनहित एवं समाज सुधार के कार्यों में भी अपनी भूमिका का बेहतर निर्वहन करती है। लोगों में आत्मविश्वास पैदा करने में पुलिस की बड़ी भूमिका है।

- बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड पुलिस से संबंधित भवनों का निर्माण कार्य बेहतर ढ़ंग से कर रही है।

- पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से राज्य की सेवा कर रहा हूँ। हमने पुलिस से न कभी किसी को फंसाने के लिए कहा है और न ही किसी को बचाने के लिए। गलत काम करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। समाज में किसी के प्रति अन्याय को बर्दाश्त नही किया जाएगा।

- जो लोगों की सेवा करता है, सरकार उसका भी ख्याल रखती है।

- राज्य के विकास एवं लोगों की बेहतर स्थिति के लिए हमलोग कार्य कर रहे हैं। हर प्रकार से लोगों की मदद की जा रही है।

- थाना स्तर तक के पुलिसकर्मियों का एंटीजन टेस्ट अवश्य करायें ताकि वे सुरक्षित रह सके।

पटना, 30 जुलाई 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा 399.544 करोड़ रूपये की राशि से निर्मित 124 पुलिस भवनों का उद्घाटन एवं 254.468 करोड़ रूपये की राशि के 96 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्य के लिए बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड को बधाई देता हूँ। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड पुलिस से संबंधित भवनों का निर्माण कार्य बेहतर ढ़ंग से कर रही है। सरकार में आने के बाद निगम को बेहतर बनाने के लिये काम किये गये। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड का पिछले पांच वर्षों का टर्नओवर 1,600 करोड़ रूपये का रहा है। यह जानकर काफी प्रसन्नता हुयी है। निगम द्वारा बिहार में निर्माण किये जा रहे पुलिस थानों का भवन बेहतर मॉडल का है। गाँधी मैदान थाना मल्टीस्टोरी बिल्डिंग का है। बिहार पुलिस मुख्यालय के लिये बनाया गया सरदार पटेल भवन भी अद्भुत है। राजगीर का पुलिस अकादमी भवन भी दर्शनीय है, उसका फ्रंट बहुत सुंदर है। वहां डी0एस0पी0 स्तर के पदाधिकारियों की ट्रेनिंग के साथ–साथ पुलिस अवर निरीक्षक की भी ट्रेनिंग करायी जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के रहने का इंतजाम पहले ठीक नहीं था। सरकार में आने के बाद अपनी यात्रा के दौरान हमने उसका निरीक्षण किया और उसके पश्चात पुलिसकर्मियों के रहने के लिए बेहतर इंतजाम किये गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 के पहले राज्य में कानून व्यवस्था की क्या स्थिति थी? लोग शाम के बाद घरों से नही निकलते थे लेकिन अब किसी भी समय लोग निर्भीक होकर घर से बाहर निकलते हैं। हमलोगों ने लक्ष्य के अनुरूप राज्य में कानून का राज कायम किया है। क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। राज्य में कानून व्यवस्था कायम किया गया है। बिहार पुलिस का मैं इस बात के लिए अभिनंदन करता हूँ कि किसी प्रकार के इंसिडेंट या झगड़े को दंगा में परिणत नही होने देती है। वर्ष 2005 के पूर्व हो रहे नरसंहार की घटना को भी नियंत्रित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार पुलिस कानून व्यवस्था नियंत्रण के साथ–साथ जनहित एवं समाज सुधार के कार्यों में भी अपनी भूमिका का बेहतर निर्वहन करती है। कार्यों के बेहतर संचालन के लिए थानों में लॉ एंड ऑर्डर तथा इन्वेस्टीगेशन को अलग–अलग किया गया। वर्ष 2007 में पुलिस एक्ट में संशोधन किया गया। पुलिस बलों को ट्रेंड करने के साथ–साथ उनमे अवेयरनेस लाने के लिए भी कार्य किये गये हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि अनुसंधान कार्य ठीक से हो और विधि व्यवस्था का भी बेहतर संचालन हो। पदाधिकारी इस पर हमेशा नजर बनाये रखें। पुलिस बलों की भर्ती में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत

आरक्षण का प्रावधान किया गया, जिससे देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या काफी बढ़ी है। थानों में महिलाओं की बुनियादी सुविधाओं के लिए अलग से व्यवस्था की गयी है। हर जिला में महिला थाना का भी निर्माण कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चौदह वर्षों में हमने पुलिस से न किसी को फंसाने के लिए कहा है और न ही किसी को बचाने के लिए कहा है। गलत काम करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। समाज में किसी के प्रति अन्याय को बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम गरीब राज्य हैं लेकिन बिहार के उत्थान के लिए हर जरूरी कार्य कर रहे हैं। राज्य में कानून का राज बना रहे और किसी को कष्ट न हो। राज्य के विकास के लिए, लोगों के बेहतर स्थिति के लिए हमलोग कार्य कर रहे हैं। हर प्रकार से लोगों की मदद की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण पूरी दुनिया परेशान है। इससे निपटने के लिए पूरी दुनिया जरूरी कदम उठा रही है। बिहार में भी कोविड–19 से बचाव के लिए सभी कदम उठाये जा रहे हैं, जिसमें चिकित्सा कार्य से जुड़े सभी लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका तो है ही साथ ही प्रशासनिक लोगों के साथ–साथ पुलिसकर्मियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। संकट के इस दौर में लोगों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए पुलिस की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी अपने कार्यों के निर्वहन के दौरान कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। अतः थाना स्तर तक के पुलिसकर्मियों का एंटीजन टेस्ट अवश्य करायें ताकि वे सुरक्षित रह सकें। हमलोगों का मानना है कि जो लोगों की सेवा करता है, सरकार उसका भी ख्याल रखती है। संकट के इस दौर में लोगों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने कार्यों के दौरान सभी लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और मास्क का जरुर प्रयोग करें, इसके लिए लोगों को भी प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उसे ससमय पूर्ण करें। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कल सेवानिवृत्त हो रहे हैं, मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। कार्यक्रम को मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री सुनील कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार भी उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय श्री जितेन्द्र कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक विधि व्यवस्था श्री अमित कुमार, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता श्री सोहेल अख्तर सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारीगण एवं अभियंतागण जुड़े हुए थे।

******